11. रचनाकौशलम्

प्रिय छात्र! यह पाठ आपको लिखना सिखाने के लिए है। लिखने के लिए शब्दों की आवश्यकता होती है। व्याकरण हमें शब्दों को जोड़कर वाक्य बनाना सिखाता है। इस प्रकार इस पाठ में आपके शब्द भण्डार में वृद्धि करने के लिए चित्र दिए गए हैं। चित्रों के नीचे शब्द सूची है। आप को चित्रों के साथ शब्दों को जोड़ना है। यदि नहीं समझ में आ रहा हो तो पीछे उत्तर सूची भी दी गई है। वहां से अपने उत्तरों की जांच कर सकते हैं।

इस पाठ में चित्र क्रम इस प्रकार है–

प्रथमः एकांशः 11.1.1 पशुओं के चित्र, नीचे उनकी रूप तालिका है जिसे भरकर आपको वचन का अभ्यास होगा। 11.1.2 पक्षियों के चित्र हैं, फिर पक्षियों के प्रथमा विभक्ति में एकवचन और बहुवचन में रूप लिखने का अभ्यास करना है। 11.1.3 विभिन्न पात्रों के नामों का अभ्यास कीजिए। 11.1.4 में आप विभिन्न विभक्तियों में शब्दों के प्रयोग का अभ्यास करेंगे। 11.1.5 विभिन्न वस्त्रों के लिए संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग सीखेंगे।

द्वितीयः एकांशः 11.2.1 चित्रों को देखकर वाक्य रचना करनी है जैसे सौचिकः=दर्जी वस्त्राणि–वस्त्रों को सीता है। शब्द सूची से शब्द लेकर वाक्यों की पूर्त्ति कीजिए। 11.2.2 वाक्यों को चित्रों के साथ जोड़िये।

तृतीयः एकांशः अव्यय प्रयोगः चित्रों द्वारा अव्ययों को समझिए–उपरि, ऊपर, अधः–नीचे, बहिः–बाहर, परितः=चारों ओर, उभयतः=दोनों ओर, अन्तः=अंदर, सह=साथ, विना=बिना।

चतुर्थः एकांशः अब आपको चित्र देखकर वाक्य लिखने हैं। प्रत्येक चित्र के विषय में दो-दो वाक्य लिखने हैं।

11.4.3 विपरीतार्थक अव्ययों का अभ्यास करवाया गया है–अग्रे-सामने, पृष्ठतः–पीछे, उपरि, अगली पंक्ति से आपको पहली पंक्ति का संकेत मिल जाएगा जेसे नदीम् उभयतः के सन्ति?–जनाः, जनाः किं कुर्वन्ति-स्नानम्।

पञ्चमः एकांशः 11.5 अब आप चित्रों को देखकर पांच पांच वाक्य लिखें। सहायता के लिए शब्द दिए गए हैं।

षष्ठः एकांशः 11.6 एक चित्रकथा दी गई है जिसमें दर्जी हाथी को केले खिला रहा है परन्तु उसके दुष्ट पुत्र ने उसको सूई चुभो दी। वह चित्र नहीं है। हाथी सूंड में पानी भर के लाता है और दुकान में छोड़ देता है।

इस अध्याय से आपको स्वयं लिखने का अभ्यास होगा। उत्तर सूची से अपने उत्तरों को मिलाते जाइए। आपको उत्तर लिखने में आनन्द आएगा। पुस्तक में दिए गए चित्रों पर वाक्य लिखने का अभ्यास कीजिए–

प्रश्नाः

I. **मञ्जूषा** : अध्यापिका, छात्राः आसन्दिकासु, संकेतं करोति, श्यामपट्टं, प्रति, श्यामपट्टे, सदाचारवाक्यानि, शृण्वन्ति, अन्धविश्वासः, नोचितः।

II. पाठ्य पुस्तक पृ. 44. चत्वारि चित्राणि सन्ति। प्रतिचित्रम् पाठात् चित्वा द्वे द्वे वाक्ये लिखत।

III. पाठ्य पुस्तक पृ. 90 चित्रद्वयम् अस्ति। प्रतिचित्रम् वाक्यद्वयं लिखत–

मञ्जूषा : गृहम्, अग्नि ज्वालाभिः, जनाः कूपात्, आक्रान्तम्, जलं नयन्ति, द्वितीये चित्रे, गृहम्–अग्निज्वालाभिः दह्यते, जनाः, खनन्तिकूपम्

IV. पृ. 136 चत्वारि वाक्यानि लिखत।

मञ्जूषाः शकुन्तला, गच्छति, कण्वः, शिष्यौ, मृगौ, वृक्षाः, सर्वे व्याकुलाः। सख्यौ, आश्रमः, मयूरः, हरिणशावकः, न नृत्यन्ति, तृणं न खादन्ति।